



EIU की वित्तीय समावेशन रपिर्ट

परीलम्स के लयि:

इकोनॉमिक इंटेल्जिंस यूनिट, वित्तीय समावेशन रपिर्ट

मेन्स के लयि:

वित्तीय समावेशन से संबंघति मुददे

चर्चा में क्यो?

हाल ही में द इकोनॉमिक्स इंटेल्जिंस यूनिट (The Economist Intelligence Unit- EIU) ने 'ग्लोबल माइक्रोस्कोप 2019: द एनेबलिंग एनवायरनमेंट ऑन फाइनेंशियल इंकलूजन रपिर्ट' (Global Microscope 2019-The Enabling Environment On Financial Inclusion) जारी की।

नषिकर्ष:

- उपर्युक्त रपिर्ट के अनुसार, भारत वित्तीय समावेशन हेतु अनुकूल वातावरण प्रदान करने के मामले में वश्व के शीर्ष देशों में शामिल है।
- भारत वित्तीय समावेशन के लयि अनुकूल वातावरण प्रदान करने की दृष्टि से 5वें स्थान पर है।
- इस सूची में शीर्ष पर कोलंबिया है, इसके अलावा दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः पेरू, उरुग्वे और मेक्सिको हैं।
- 55 देशों की इस सूची में सबसे नीचे डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो (Democratic Republic of Congo) है।
- ज्जातव्य है कि इन सभी मानदंडों पर सरिफ़ 4 देशों को पूरे अंक मलि, इनमे भारत, कोलंबिया, ज़मैका और उरुग्वे शामिल हैं।

रपिर्ट के बारे में:

- इस रपिर्ट में 55 देशों और 5 क्षेत्रों को शामिल कयि गया है:

- शासन और नीतिसमर्थन
- उत्पाद और नरिगम
- स्थरिता और अखंडता
- उपभोक्ता संरक्षण
- आधारभूत ढाँचा

- उपर्युक्त रपिर्ट में डिजिटल वित्तीय समावेशन के अंतर्गत नमिनलखिति 4 मानदंडों को शामिल कयि गया:
 - गैर-बैंकिंग क्षेत्र को ई-मनी जारी करने की अनुमति।
 - वित्तीय सेवा एजेंटों की मौजूदगी।
 - आनुपातिक आधार पर ग्राहकों की जाँच-परख।
 - प्रभावी उपभोक्ता संरक्षण।
- रपिर्ट के इस संस्करण में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में स्त्री और पुरुष दोनों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लयि 11 लयि-आधारित संकेतक भी जोड़े गए।

Summary of India's performance

Category	Score	Rank	Average score
Overall score	71	=5	52
1 Government and policy support	76	=8	54
2 Stability and integrity	76	12	65
3 Products and outlets	92	3	57
4 Consumer protection	81	9	60
5 Infrastructure	60	31	59

India: strengths		India: areas for improvement	
Indicator	Rank	Indicator	Rank
2.3 Customer due diligence	=1	2.4 Supervisory capacity	=29
3.2 Credit portfolios for middle- and low-income customers	=1	5.3 Connectivity	=45
3.3 Emerging services	=1	1.1 Broad strategies for financial inclusion	=19

भारत के संदर्भ में:

- रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रज़िर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण के लिये मध्यम अवधि की रणनीति तैयार करने हेतु उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।
- अगस्त 2019 में रज़िर्व बैंक ने एक रेगुलेटरी सैंडबॉक्स (Regulatory Sandbox- RS) के लिये फ्रेमवर्क जारी किया है। रेगुलेटरी सैंडबॉक्स, वित्त, औद्योगिकी और स्टार्टअप्स (Startups) को नई तकनीक एवं सेवाओं के परीक्षण के लिये आधार उपलब्ध कराएगा।

रेगुलेटरी सैंडबॉक्स:

- सैंडबॉक्स एक बुनियादी ढाँचा है जो बैंक द्वारा फनिटेक कंपनी को उपलब्ध कराया जाता है ताकि उत्पादों या सेवाओं के तैयार होने के बाद एवं बाज़ार में आने से पहले उनका परीक्षण किया जा सके।

फनिटेक क्या है?

- फनिटेक (FinTech) Financial Technology का संक्षिप्त रूप है। वित्तीय कार्यों में प्रौद्योगिकी के उपयोग को फनिटेक कहा जा सकता है।
- दूसरे शब्दों में यह पारंपरिक वित्तीय सेवाओं और विभिन्न कंपनियों तथा व्यापार में वित्तीय पहलुओं के प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का कार्यान्वयन है।
- पहले बैंक में किसी विवरण को रजिस्टर पर लिखा जाता था जिसमें काफी समय भी लगता था। वर्तमान में अब बैंकिंग प्रणाली में प्रौद्योगिकी के प्रयोग से कोर बैंकिंग सिस्टम प्रचलन में आ गया है और इससे बैंकिंग प्रणाली आसान हो गई है। इस प्रकार की वित्तीय प्रौद्योगिकी को फनिटेक कहा जाता है।
- बैंकों द्वारा फनिटेक के माध्यम से मोबाइल वॉलेट सर्विस तथा UPI और भीम एप लॉन्च करके बैंकिंग प्रणाली को आसान बनाया जा रहा है।
- फनिटेक बैंकों के लिये भुगतान, नकद हस्तांतरण जैसी सेवाओं में काफी मददगार साबित हो रहा है, साथ ही यह देश के दूरदराज़ के इलाकों तक बैंकिंग सेवाएँ भी उपलब्ध करा रहा है।

स्रोत-द हिन्दू बिज़नेस लाइन